पद्मना को गोल्ड और सौम्यदीप को ऑलराउंड बेस्ट का खिताब

आईआईएम के दीक्षांत समारोह में सीएम ने डिग्रियां देकर नवाजे होनहार

अमर उजाला ब्यूरो

पांवटा साहिब (सिरमौर)।

डिग्रियां और मेडल पाकर होनहार फूले नहीं समाए। मौका था इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) के दूसरे दीक्षांत समारोह का। समारोह में संस्थान से पासआउट 35 विद्यार्थियों को सीएम जयराम ठाकुर ने डिग्रियां प्रदान कीं। मुख्यमंत्री ने पद्मना अधिकारी को स्वर्ण पदक प्रदान किया। जबकि लालातेंदू पांडा द्वितीय स्थान पर रहा। सौम्यदीप दास को ऑल राउंड बेस्ट के पुरस्कार के खिताब से नवाजा गया। जबकि आरुषि सिंह को निदेशक विशेष का पुरस्कार मिला।

इसके अलावा आशीष मल्हान, अभिषेक गुप्ता, अभिषेक सिंह, अमित अग्रवाल, अंकुर, अनुभव कैंथूरा, अनुज कुमार, अर्चित सिंगला, आरुषि सिंह, भावेश, बिलाल कुरैशी, बी गणेश, चमन यादव, चौहान विजय अशोक, बी बासु, गुन्नू सत्य शेखर, हार्दिक श्रीवास्तव, क्षितिज श्रीवास्तव, पंकज विष्ट, पीयूष नरेश, एस सैनी, संदीप कौशिक, सत्यमन, सुदेश यादव, टी ईलांजिक, वीरेंद्र जाधव, विशाल कैलाश व योगेश कुमार यादव को पासआउट होने पर सीएम ने डिग्रियां प्रदान कीं।

छू लिया आसमां

डिग्री लेने के बाद खुशी से झूम उठे आईआईएम सिरमौर के छात्र। शाकिब राजपूत

उन्नति के शिखर पर पहुंचो, न भूलना देश प्रेम: जयराम

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा ग्रहण कर युवा विश्व के किसी भी देश में रहें। लेकिन, देश प्रेम, संस्कार व संस्कृति को हमेशा याद रखना। युवाओं को उच्च शिक्षा दिलाने के लिए परिजन कई कुर्बानियां देते हैं। उन्होंने संदेश दिया कि जीवन में खूब आगे बढ़ते रहो। लेकिन, गुरु शिष्य परंपरा व परिजनों के प्रति आदर समर्पण की भावना को कायम रखना। आईआईएम सिरमौर गवर्नर मंडल अध्यक्ष अजय एस श्रीराम ने भी विचार रखे, जबकि आईआईएम सिरमौर की निदेशक प्रोफेसर नीलू रोहमेत्रा ने संस्थान की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, मंत्री सरवीण चौधरी, पांवटा के विधायक सुखराम चौधरी, पच्छाद विस क्षेत्र विधायक सुरेश कश्यप, पूर्व विधायक शिलाई बलदेव तोमर आदि उपस्थित थे।

पासआउट होने से पहले ही मिले बड़े ऑफर

बोले टॉपर-सपने हो गए साकार

सुरेश तोमर

पांवटा साहिब (सिरमौर)।

आईआईएम सिरमौर के द्वितीय बैच के टॉपर पद्मना अधिकारी ने कहा कि संस्थान में प्रवेश के समय से ही खूब मेहनत की थी। असम के गुवाहाटी निवासी छात्र ने कहा कि टॉपर रहने का सपना था। परिजन कहते हैं जीवन में हमेशा ऊंचा लक्ष्य रखो। सफलता प्राप्त करने के बाद धरातल पर रह कर कार्य करो। सर्वश्रेष्ठ रहने पर मुख्य अतिथि सीएम से गोल्ड मेडल प्राप्त करना सपने साकार होने जैसा था। कार्यक्रम में पहुंचे पिता डॉ. संतोष अधिकारी व मां डॉ. सुमित्रा अधिकारी ने कहा कि बेटे की सफलता से खुश हैं। उसे नामी कंपनियों से नौकरी के ऑफर मिल चुके हैं। वहीं, सौम्यदीप दास का कहना है कि परिजनों का सपना पूरा हुआ। संस्थान में प्रवेश के समय परिजनों से मेडल प्राप्त करने का वायदा किया। सौम्यदीप ने कहा कि रिलायंस कंपनी में जॉब ऑफर मिल चुका है। उधर, गोल्ड मेडलिस्ट रहे ओडिशा के लालातेंदू पांडा ने सफलता का श्रेय परिजनों व आईआईएम संस्थान के मार्गदर्शन को दिया। कहा कि उसे कोलकाता कंपनी से जॉब का ऑफ मिला है। द्वितीय दीक्षांत समारोह में दिल्ली निवासी एकमात्र छात्रा आरुषि सिंह को गोल्ड मेडल मिला। कहा कि कई कंपनियों से जॉब ऑफर मिले हैं। ब्यूरो

Amar Ujala, Page No-7, 14-4-2018 (IIM, Shimla)

आईआईएम सिरमौर के दूसरे दीक्षान्त समारोह में 35 छात्रों को एमबीए डिग्री दी गई

पावंटा साहिब। इण्डियन इन्सटीट्यूट ऑफमैनेजमेन्ट, सिरमौर के दूसरे सालाना दीक्षान्त समारोह का आयोजन 13 अप्रैल को किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पावंटा साहिब में संस्थान के परिसर में किया गया। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने दीक्षांत समारोह का सम्बोधित किया। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले अन्य दिग्गजों में शामिल थे श्री अजय एस श्रीराम, चेयरमैन एवं सीनियर मैनेजिंग डायरेक्टर, डीसीएम श्रीराम लिमिटेड और चेयरमैन, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईएम सिरमौर, जिन्होंने ग्रेजुएट छात्रों को डिग्री दी और सम्बोधित किया।

यह छात्रों का पहला बैच है जिन्हें मैनेजमेन्ट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा के बजाए एमबीए डिग्री दी गई है। आईआईएम अधिनियम 2017 के तहत छात्रों को डिप्लोमा के बजाए डिग्री देने का फैसला इस साल पहले ही ले लिया गया था।

कुल मिलकार 35 छात्रों को डिग्री दी गई। पद्मानव अधिकारी बैच के टॉपर रहे, जिन्हें चेयरमैन्स गोल्ड मैडल से सम्मानित किया गया। इसी तरह मेरिट में दूसरे स्थान पर रहे ललातेंदू पांडा को डायरेक्टर्स गोल्ड मैडल दिया गया। इसके अलावा सौम्यदीप दास को 'बेस्ट ऑल राउण्डर' के लिए डायरेक्टर्स स्पेशल रिकॉग्निशन अवॉर्ड दिया गया। आरुषि सिंह को अपने बैच की 'पहली और एक मात्र छात्रा (गर्ल स्टूडेन्ट)' होने के लिए डायरेक्टर्स स्पेशल रिकॉग्निशन अवॉर्ड दिया गया।

मुख्यमंत्री जी ने सभी ग्रेजुएट छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि आईआईएम सिरमौर जैसे संस्थान हिमाचल प्रदेश के लिए राष्ट्रीय महत्व के संस्थान की भूमिक निभाते हैं। उन्होंने कहा कि यह हिमाचल प्रदेश के लिए गर्व की बात है कि इतनी चुनौतियों के बावजूद आईआईएम सिरमौर समुदाय पावंटा साहिब में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है।

Avadhnama_Lucknow_April 18_ Page No- 09

आईआईएम सिरमौर के दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने स्टूडेंट्स का प्रदान कीं डिग्रियां

पदमनाभ अधिकारी रहे टॉपर, सोम्या को बेस्ट ऑल-राउंड स्टूडेंट का मिला खिताब

सिटी रिपोर्टर | नाहन/पांवटा साहिब

'न्यू इंडिया' के निर्माण में राष्ट्र को युवा पेशेवरों से बड़ी उम्मीदें और अपेक्षाएं हैं। यह बात मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने शुक्रवार को पांवटा साहिब में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) के द्वितीय दीक्षांत समारोह के अवसर पर कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधोसंरचना को लेकर संस्थान की कुछ सीमाएं हो सकती हैं, लेकिन संस्थान में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस संस्थान के विद्यार्थी हमेशा ही संस्थान और हिमाचल प्रदेश के संस्मरणों को संजोकर रखेंगे। उन्होंने संस्थान से पास हुए विद्यार्थियों को राज्य के ए बेस्डर के रूप में कार्य करने का आग्रह करते हुए कहा कि जब कभी भी उन्हें मौका मिले, राज्य की सेवा के लिए आगे आना चाहिए।

जयराम ठाकुर ने संस्थान से निकलने वाले विद्यार्थियों से देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थान में अध्ययन करने का अवसर प्रदान करने के लिए अपने अभिभावकों की कुर्बानियों को याद रखने का भी आग्रह किया। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने मूल्यों, संस्कृति तथा परंपराओं को कायम रखने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने संस्थान के मेधावी विद्यार्थियों को मेडल प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने पदमनाभ अधिकारी को स्वर्ण पदक प्रदान किया। सोम्या दीपदास को उत्कृष्ट ऑल-राउंड विद्यार्थी का पुरस्कार प्रदान किया गया। आरूषी सिंह को निदेशक विशेष का पुरस्कार प्रदान किया गया। आईआईएम सिरमौर की शासकीय परिषद के अध्यक्ष अजय एस श्रीराम ने मुख्यमंत्री तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों का दीक्षांत समारोह में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री की उपस्थिति गुणात्मक उच्च शिक्षा प्रदान करने की ओर सरकार की गंभीरता को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि इस संस्थान से 35 विद्यार्थियों ने स्नातक की उपाधि ग्रहण की है। उन्होंने कहा कि संस्थान अपनी आरंभिक अवस्था में है। मगर संस्थान ने देश के उत्कृष्ट संस्थानों में जगह पाई है। उन्होंने कहा कि बिना मूल्य की शिक्षा अर्थ विहीन है और कहा कि मूल्य समाज की निष्काम सेवा से आते हैं। उन्होंने कहा कि मूल्य प्रणाली प्रतिबद्धता तथा प्रेरणा पर आधारित हैं और इससे संस्थान महान बनते हैं।

आईआईएम सिरमौर की निदेशक डॉ. नीलू रोहमित्रा ने संस्थान की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि संस्थान आधुनिक युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रतिभाओं को तैयार करने के वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि संस्थान उच्च शिक्षा युक्त संकाय और देश के कुछ चुनिंदा अतिथि संकाय के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आगामी शैक्षणिक वर्ष संस्थान द्वारा मुख्य नई पहलों को लेकर आएगा। संस्थान में अनेक कार्यशालाओं तथा सम्मेलनों का आयोजन किया गया। इनमें जाने-माने विशेषज्ञों ने भाग लिया और विद्यार्थियों से विचार साझा किए। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, शहरी विकास मंत्री सरवीण चौधरी, सांसद प्रो. वीरेंद्र कश्यप, विधायक सुखराम व सुरेश कश्यप, पूर्व विधायक बलदेव तोमर, मुख्यमंत्री के ओएसडी शिशु धर्मा, राज्य भाजपा महासचिव चंद्र मोहन ठाकुर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

पांवटा साहिब. दीक्षांत समारोह में अपनी टोपियां हवा में उड़ाते आईआईएम के विद्यार्थी

आप उंचे पदों पर जाएं अपने मां-बाप की कुर्बानियां ना भूले

पांवटा साहिब. मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि जिन्होंने आप सभी को इस काबिल बनाया उन मां-बाप की कुर्बानियों को ना भूले। आपकी शिक्षा के लिए उन्होंने ना जाने क्या-क्या किया होगा। अपने गुरूओं का भी आदर सम्मान करते रहना चाहिए। इसके अलावा देश विदेश जहां भी जाएं अपने संस्कृति को ना भूले।

दीक्षांत समारोह में 35 छात्रों को मिली डिग्री

शुक्रवार को यहां रामपुर घाट के निजी हिमाचल इस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी परिसर में पहुंचकर सीएम जयराम ठाकुर ने दूसरे दीक्षांत समारोह में आईआईएम के छात्रों को डिग्रीयां प्रदान की। आशीष, अभिषेक गुप्ता, अभिषेक सिंह, अमित अग्रवाल, अंकुश, अनुभव, अनुज, अर्चित, आशीष, भावेश, बिलाल, वोल्वे, चमन यादव, विजय, वी बासू, गुरु सत्य शेखर, राजीव, अरविंद, क्षितिज, पदनामभन, पकंज सिंह, पीयूष, तववीर, सत्यम, सौरभ, सुदेश, वीरेंद्र, विशाल, योगेश व छात्रा आयुषि सिंह समेत 35 छात्रों ने डिग्रियां हासिल की। छात्रों ने इस मौके पर आईआईएम सिरमौर के छात्रों ने दीक्षांत समारोह धूमधाम से मनाया। आईआईएम में अपनी स्नातकोतर डिग्री लेने के बाद छात्र खुशी से फू ले ने समा रहे थे। डिग्रियां लेने के बाद छात्रों ने परिसर में अपने अपने परिजनों व अभिभावकों के साथ फोटो भी खिंचवाए।

Dainik Bhaskar, Page No 4, 14-4-2018 (IIM, Shimla)

‘न्यू इंडिया’ निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका

जागरण संवाददाता, नाहन : 'न्यू इंडिया' के निर्माण में राष्ट्र को युवा पेशेवरों से बड़ी उम्मीदें हैं। यह बात मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने पांवटा साहिब में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) के द्वितीय दीक्षांत समारोह में कही।

उन्होंने कहा कि अधोसंरचना को लेकर संस्थान की कुछ सीमाएं हो सकती हैं, लेकिन संस्थान में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस संस्थान के विद्यार्थी हमेशा संस्थान व हिमाचल के संस्मरणों को संजोकर रखेंगे। उन्होंने संस्थान से पास हुए विद्यार्थियों को राज्य के एंबेसडर के रूप में कार्य करने का आग्रह करते हुए कहा कि जब कभी भी उन्हें मौका मिले, राज्य की सेवा के लिए आगे आना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रगति व खुशहाली के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। जयराम ठाकुर ने संस्थान से निकलने वाले विद्यार्थियों से देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थान में अध्ययन करने का अवसर प्रदान करने के लिए अभिभावकों की कुर्बानियों को याद रखने का आग्रह किया। अध्यापक भी राष्ट्र के भविष्य के वास्तविक निर्माता हैं और उन्हें उचित सम्मान दिया जाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से मूल्यों, संस्कृति तथा परंपराओं को कायम रखने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने मेधावी विद्यार्थियों को पदक प्रदान किए।

मुख्यमंत्री ने पदमनाभ अधिकारी को स्वर्ण पदक प्रदान किया। सोमया दीपदास को उत्कृष्ट ऑलराउंड विद्यार्थी का पुरस्कार प्रदान किया। आरुषी सिंह को निदेशक विशेष का पुरस्कार प्रदान किया गया। आइआइएम सिरमौर की शासकीय परिषद के अध्यक्ष अजय

बोले जयराम

- मूल्यों, संस्कृति तथा परंपराओं को कायम रखें विद्यार्थी
- आइआइएम सिरमौर के दीक्षांत समारोह में बांटी डिग्रियां

एसश्रीराम ने मुख्यमंत्री तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों का दीक्षांत समारोह में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस संस्थान से 35 विद्यार्थियों ने स्नातक की उपाधि ग्रहण की है। इस बार पद्मनाभन अधिकारी ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया, जबकि लाला पेंदू पांडा द्वितीय स्थान पर रहे। इसके अतिरिक्त तीसरे स्थान पर सी यादीप सिंह रहे। आशीष मल्हार, अभिषेक गुप्ता, अभिषेक सिंह, आदित्य शर्मा, अमित अग्रवाल, अनिकेत, अंकुर, अभिनव, अनुज, अर्चित सिंगला, आरुषि सिंह, आशीष, भावेश, बिलाल कुरेशी, बोर्डे गणेश जयवंत, चमन यादव चौहान विजय अशोक कुमार, दीप, गुन्नु सत्य शेखर, हार्दिक राजीव सदाशिव, के अरविंद, क्षितिज श्रीवास्तव, लालतेंदु पांडे, पंकज बिष्ट, पीयूष नरेश प्रारब्ध सैनी, संदीप कौशिक, सत्यम, सौम्यदास, सुदेश परियादव, ट्रएंडो सैम, वीरेंद्र, विशाल कैलाश, योगेश कुमार यादव ने डिग्री हासिल की है। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, शहरी विकास मंत्री सरवीण चौधरी, सांसद वीरेंद्र कश्यप, विधायक सुखराम, सुरेश कश्यप, पूर्व विधायक बलदेव तोमर, मुख्यमंत्री के ओएसडी शिशु धर्मा, राज्य भाजपा महासचिव चंद्र मोहन ठाकुर व अन्य मौजूद रहे।

Dainik Jagran, Page No -1, 14-4-2018 (IIM, Shimla)

आईआईएम सिरमौर का दूसरा सालाना दीक्षान्त समारोहः 35 छात्रों को एमबीए डिग्री दी गई

इण्डियन इन्सटीट्यूट ऑफमैनेजमेन्ट, सिरमौर के दूसरे सालाना दीक्षान्त समारोह का आयोजन 13 अप्रैल 2018 को क़िया गया। कार्यक्रम का आयोजन पावंटा साहिब में संस्थान के परिसर में किया गया। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने दीक्षांत समारोह का सम्बोधित किया। आईआईएम अधिनियम 2017 के तहत छात्रों को डिप्लोमा के बजाए डिग्री देने का फैसला इस साल पहले ही ले लिया गया था। कुल मिलकार 35 छात्रों को डिग्री दी गई। पद्मानव अधिकारी बैच के टॉपर रहे, जिन्हें चेयरमैन्स गोल्ड मैडल से सम्मानित किया गया। इसी तरह मेरिट में दूसरे स्थान पर रहे ललातेंदू पांडा को डायरेक्टर्स गोल्ड मैडल दिया गया। इसके अलावा सौम्यदीप दास को 'बेस्ट ऑल राउण्डर' के लिए डायरेक्टर्स स्पेशल रिकॉग्निशन अवॉर्ड दिया गया। आरुषि सिंह को अपने बैच की 'पहली और एक मात्र छात्रा (गर्ल स्टूडेन्ट)' होने के लिए डायरेक्टर्स स्पेशल रिकॉग्निशन अवॉर्ड दिया गया।

Dastak_Indore_ Page No -04_18.4.2018_IIM Sirmaur Convocation

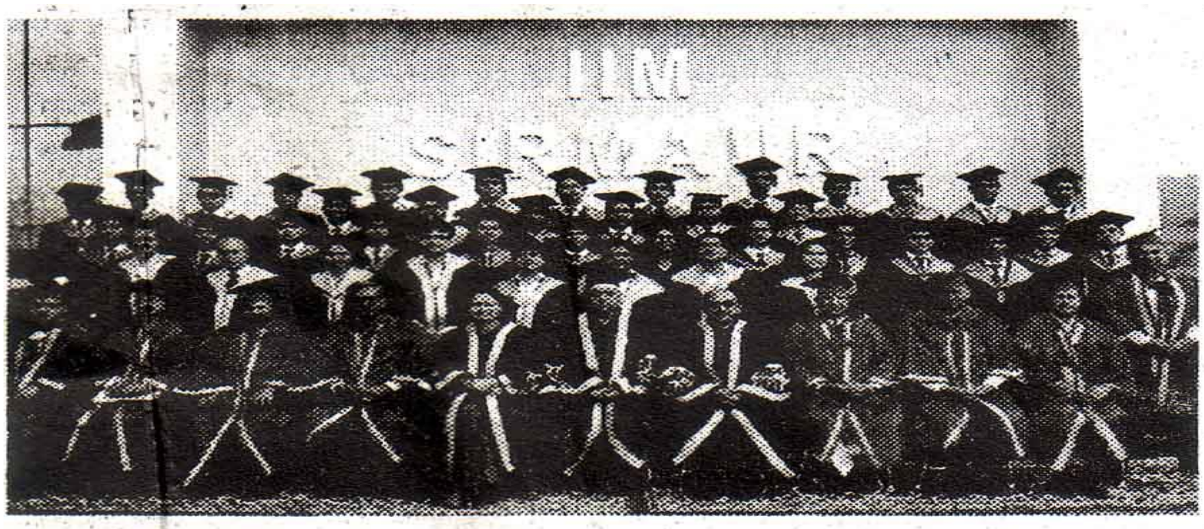

आईआईएम सिरमौर का दूसरा सालाना दीक्षान्त समारोहः 35 छात्रों को एमबीए डिग्री दी गई

पावंटा साहिब, (एजेन्सी)। इण्डियन इन्सटीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट, सिरमौर के दूसरे सालाना दीक्षान्त समारोह का आयोजन 13 अप्रैल 2018 को किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पावंटा साहिब में संस्थान के परिसर में किया गया। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने दीक्षांत समारोह का सम्बोधित किया। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले अन्य दिग्गजों में शामिल थे श्री अजय एस श्रीराम, चेयरमैन एवं सीनियर मैनेजिंग डायरेक्टर, डीसीएम श्रीराम लिमिटेड और चेयरमैन, बोर्ड ऑफगवर्नर्स, आईआईएम सिरमौर, जिन्होंने ग्रेजुएट छात्रों को डिग्री दी और सम्बोधित किया। यह छात्रों का पहला बैच है जिन्हें मैनेजमेन्ट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा के बजाए एमबीए डिग्री दी गई है। आईआईएम अधिनियम 2017 के तहत छात्रों को डिप्लोमा के बजाए डिग्री देने का फैसला इस साल पहले ही ले लिया गया था। कुल मिलकार 35 छात्रों को डिग्री दी गई। पद्मानव अधिकारी बैच के टॉपर रहे, जिन्हें चेयरमैन्स गोल्ड मैडल से सम्मानित किया गया। इसी तरह मेरिट में दूसरे स्थान पर रहे ललातेंदू पांडा को डायरेक्टर्स गोल्ड मैडल दिया गया। इसके अलावा सौम्यदीप दास को 'बेस्ट ऑल राउण्डर' के लिए डायरेक्टर्स स्पेशल रिकॉग्निशन अवॉर्ड दिया गया। आरुषि सिंह को अपने बैच की 'पहली और एक मात्र छात्रा (गर्ल स्टूडेन्ट)' होने के लिए डायरेक्टर्स स्पेशल रिकॉग्निशन अवॉर्ड दिया गया। मुख्यमंत्री जी ने सभी ग्रेजुएट छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि आईआईएम सिरमौर जैसे संस्थान हिमाचल प्रदेश के लिए राष्ट्रीय महत्व के संस्थान की भूमिक निभाते हैं। उन्होंने कहा कि यह हिमाचल प्रदेश के लिए गर्व की बात है कि इतनी चुनौतियों के बावजूद आईआईएम सिरमौर समुदाय पावंटा साहिब में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है।

IIM Sirmaur_17 April_16x8_Hukumnama Samachar_ Page No 05

आईआईएम सिरमौर ने छात्रों को दी एमबीए डिग्री

पावंटा साहिब। इण्डियन इन्सटीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट, सिरमौर के दूसरे सालाना दीक्षान्त समारोह का आयोजन 13 अप्रैल 2018 को कियां गया। कार्यक्रम का आयोजन पावंटा साहिब में संस्थान के परिसर में किया गया। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने दीक्षांत समारोह का सम्बोधित किया। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले अन्य दिग्गजों में शामिल थे श्री अजय एस श्रीराम, चेयरमैन एवं सीनियर मैनेजिंग डायरेक्टर, डीसीएम श्रीराम लिमिटेड और चेयरमैन, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईएम सिरमौर, जिन्होंने ग्रेजुएट छात्रों को डिग्री दी और सम्बोधित किया। यह छात्रों का पहला बैच है जिन्हें मैनेजमेन्ट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा के बजाए एमबीए डिग्री दी गई है। आईआईएम अधिनियम 2017 के तहत छात्रों को डिप्लोमा के बजाए डिग्री देने का फैसला इस साल पहले ही ले लिया गया था। कुल मिलकार 35 छात्रों को डिग्री दी गई। पद्मानव अधिकारी बैच के टॉपर रहे, जिन्हें चेयरमैन्स गोल्ड मैडल से सम्मानित किया गया। इसी तरह मेरिट में दूसरे स्थान पर रहे ललातेंदू पांडा को डायरेक्टर्स गोल्ड मैडल दिया गया। इसके अलावा सौम्यदीप दास को बेस्ट ऑल राउण्डर के लिए डायरेक्टर्स स्पेशल रिकॉग्निशन अवॉर्ड दिया गया। आरुषि सिंह को अपने बैच की पहली और एक मात्र छात्रा (गर्ल स्टूडेन्ट) होने के लिए डायरेक्टर्स स्पेशल रिकॉग्निशन अवॉर्ड दिया गया।

Jansandesh Times_Lucknow_April 18_ Page No -15

न्यू इंडिया के निर्माण में युवा पेशेवरों की महत्वपूर्ण भूमिका : जयराम

आई.आई.एम. सिरमौर के दीक्षांत समारोह में बोले मुख्यमंत्री

पांवटा साहिब, 13 अप्रैल (ब्यूरो) : 'न्यू इंडिया' के निर्माण में राष्ट्र को युवा पेशेवरों से बड़ी उम्मीदें और अपेक्षाएं हैं। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने आज सिरमौर जिले के पांवटा साहिब में भारतीय प्रबंधन संस्थान आई.आई.एम. के द्वितीय दीक्षांत समारोह के अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि अधोसंरचना को लेकर संस्थान की कुछ सीमाएं हो सकती हैं लेकिन संस्थान में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।

उन्होंने कहा कि इस संस्थान के विद्यार्थी हमेशा ही संस्थान तथा हिमाचल प्रदेश के संस्मरणों को संजोकर रखेंगे। मुख्यमंत्री ने संस्थान के मेधावी विद्यार्थियों को मैडल प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने पद्मनाभ अधिकारी को स्वर्ण पदक प्रदान किया। सौम्या दीपदास को उत्कृष्ट आलराऊंडर विद्यार्थी का पुरस्कार प्रदान किया गया। सुश्री आरूषी सिंह को निदेशक विशेष का पुरस्कार प्रदान किया गया। आई.आई.एम. सिरमौर की शासकीय परिषद के अध्यक्ष अजय एस. श्रीराम ने मुख्यमंत्री तथा अन्य गण्यमान्य व्यक्तियों का दीक्षांत समारोह में स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि इस संस्थान से 35 विद्यार्थियों ने स्नातक की उपाधि ग्रहण की है।

पांवटा साहिब : मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर आई.आई.एम. सिरमौर के दीक्षांत समारोह में मेधावी छात्रों को डिग्री प्रदान करने के बाद छात्र-छात्राओं के साथ सामूहिक चित्र में। (ब्यूरो)

पंजाब केसरी ई-पेपर Sat, 14 April 2018
epaper.punjabkesari.in//c/27970123

Punjab Kesari, Page No -1, 14-4-2018 (IIM, Shimla)

आईआईएम सिरमौर का दीक्षान्त समारोह सम्पन्न

पावंटा साहिब। इण्डियन इन्सटीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट, सिरमौर के दूसरे सालाना दीक्षान्त समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पावंटा साहिब में संस्थान के परिसर में किया गया। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने दीक्षांत समारोह का सम्बोधित किया। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले अन्य दिग्गजों में शामिल थे अजय एस श्रीराम, चेयरमैन एवं सीनियर मैनेजिंग डायरेक्टर, डीसीएम श्रीराम लिमिटेड और चेयरमैन, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईएम सिरमौर, जिन्होंने ग्रेजुएट छात्रों को डिग्री दी और सम्बोधित किया। यह छात्रों का पहला बैच है जिन्हें मैनेजमेन्ट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा के बजाए एमबीए डिग्री दी गई है। आईआईएम अधिनियम 2017 के तहत छात्रों को डिप्लोमा के बजाए डिग्री देने का फैसला इस साल पहले ही ले लिया गया था। कुल मिलकार 35 छात्रों को डिग्री दी गई। पद्मानव अधिकारी बैच के टॉपर रहे, जिन्हें चेयरमैन्स गोल्ड मैडल से सम्मानित किया गया।

Swatantra Bharat_Lucknow_April 18_ Page No- 11

Annual convocation of IIM Sirmaur held

Paonta Sahib: The second annual convocation of the Indian Institute of Management Sirmaur was held on Friday. The ceremony was held in Paonta Sahib, at the Institute's interim campus. Jai Ram Thakur, Chief Minister of Himachal Pradesh was the Chief Guest on the occasion and delivered the Convocation Address. The ceremony was also graced by Ajay S. Shriram, Chairman and Senior Managing Director, DCM Shriram Ltd., and Chairman of the Board of Governors, IIM Sirmaur, who delivered the welcome address and awarded Degrees to the graduating students.

This is this first batch of students who received the MBA degree instead of the Post Graduate Diploma in Management. The decision to award degrees instead of diplomas was taken earlier this year as per the provisions of the IIM Act 2017.

In all, 35 students were awarded Degrees. Padmanav Adhikari received Chairman's Gold Medal for being the topper of the batch. Director's Gold Medal was awarded to Lalatendu Panda for ranking second in order of merit in absentia. In addition, Soumyadeep Das was presented with Director's Special Recognition Award for being the "Best All Rounder" and Arushi Singh was awarded Director's Special Recognition Award for being the "First and Only Girl Student" in her batch.

- This is this first batch of students who received the MBA degree instead of the Post Graduate Diploma in Management
- The decision to award degrees instead of diplomas was taken earlier this year as per the provisions of the IIM Act 2017

In his convocation address, the Chief Minister extended hearty congratulations to the graduating batch and underscored the significance of an institute of national importance such as IIM Sirmaur for Himachal Pradesh. He said that it is a matter of great pride for Himachal Pradesh that the IIM Sirmaur community is thriving in Paonta Sahib despite challenges. He assured the full support of his government toward IIM Sirmaur, especially in regard to the development of its permanent campus at Dhaula Kuan. He urged the graduating batch to remember their educational roots in the district of Sirmaur and contribute toward the betterment of the state of Himachal Pradesh in any way they can in the future. He acknowledged the great impact of parents and teachers in the lives of students and urged the future leaders to retain strong links to their culture and values.

In his welcome address, Ajay S. Shriram acknowledged the immense contribution and concerted effort required by all stakeholders to build a world renowned institution. Citing the IIM Act 2017, he stated that the onus is now on the Board of Governors to go the extra mile to ensure the continued growth of the institute. Speaking about the upcoming permanent campus of IIM Sirmaur in DhaulaKuan, he said that close coordination with a large number of agencies is required to build a world-class futuristic campus that aims to preserve the essence of Himachal Pradesh.

Addressing the gathering, Professor (Dr.) Neelu Rohmetra, Director IIM Sirmaur spoke about the achievements and progress of the institute over the past year. She said that IIM Sirmaur is a people-centric institution where all members are encouraged to take ownership of their purpose. She stated that IIM Sirmaur aims at uncompromising excellence in teaching and research, freedom of authentic expression and exchange of ideas. IIM Sirmaur became operational in 2015, and only in a short while, it has introduced several measures to distinguish itself. From 2018, students will have the opportunity to earn international credits.

The Hans India

Act as ambassadors of state, students told

TRIBUNE NEWS SERVICE

SOLAN, APRIL 13

The nation has great hopes and expectations from the young professionals for surging ahead into a new India. This was stated by Chief Minister Jai Ram Thakur while addressing the 2nd convocation of the Indian Institute of Management (IIM) at Paonta Sahib in Sirmaur district on Friday.

Chief Minister Jai Ram Thakur presents a degree to a student during the IIM convocation in Sirmaur on Friday. TRIBUNE PHOTO

He said the institute might have some limitations regarding infrastructure, but there was no dearth of talent. He urged the passing-out students to act as ambassadors of the state whenever the opportunity comes their way and serve the state when given an opportunity.

The CM said the students should always remember the sacrifice of their parents for providing them an opportunity to study in one of the best institutes of the country. He said teachers were the real architect of future and they should show utmost respect towards them. He also urged the students to uphold their culture and traditions. Later, he presented medals to meritorious students. Padmanabh Adhikari was awarded the Director's gold medal while Somaya Depdass was awarded as the best all-round student award. The Director Special Recognition award was given to Arushi Singh.

Chairman, Governing Council, IIM, Sirmaur, Ajay S Sriram said 35 students had graduated from the institute which was in its initial stage and despite this it had created a niche for itself among the premier institutions of the country.

Dr Neelu Rohmetra, Director, IIM, while presenting the Director's Report said the institute was committed to producing professionals who could meet global challenges. The institute was providing quality education to students through highly qualified faculty and some of the best brains in the industry as guest faculty, Rohmetra added.

The Tribune (Himachal Edition) Sat, 14 April 2018
www.readwhere.com/read//c/27970059

The Tribune, Page No -4, 14-4-2018 (IIM, Shimla)

मुख्यमंत्री ने सभी ग्रेजुएट छात्रों को बधाई दी

नई दिल्ली। इण्डियन इन्सटीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट सिरमौर के दूसरे सालाना दीक्षान्त समारोह का आयोजन 13 अप्रैल 2018 को किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पावंटा साहिब में संस्थान के परिसर में किया गया। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने दीक्षांत समारोह का सम्बोधित किया। मुख्यमंत्री ने सभी ग्रेजुएट छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि आईआईएम सिरमौर जैसे संस्थान हिमाचल प्रदेश के लिए राष्ट्रीय महत्व के संस्थान की भूमिक निभाते हैं। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले अन्य दिग्गजों में शामिल थे अजय एस श्रीराम, चेयरमैन एवं सीनियर मैनेजिंग डायरेक्टर, डीसीएम श्रीराम लिमिटेड और चेयरमैन, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईएम सिरमौर, जिन्होंने ग्रेजुएट छात्रों को डिग्री दी और सम्बोधित किया। यह छात्रों का पहला बैच है जिन्हें मैनेजमेन्ट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा के बजाए एमबीए डिग्री दी गई है। आईआईएम अधिनियम 2017 के तहत छात्रों को डिप्लोमा के बजाए डिग्री देने का फैसला इस साल पहले ही ले लिया गया था। कुल मिलकार 35 छात्रों को डिग्री दी गई। पद्मानव अधिकारी बैच के टॉपर रहे, जिन्हें चेयरमैन्स गोल्ड मैडल से सम्मानित किया गया। इसी तरह मेरिट में दूसरे स्थान पर रहे ललातेंदू पांडा को डायरेक्टर्स गोल्ड मैडल दिया गया। इसके अलावा सौम्यदीप दास को 'बेस्ट ऑल राउण्डर' के लिए डायरेक्टर्स स्पेशल रिकॉग्निशन अवॉर्ड दिया गया।

Voice of Lucknow_Lucknow_April 18_ Page No - 14

आईआईएम सिरमौर में आयोजित दीक्षांत समारोह में कार्यक्रम पेश करतीं छात्राएं। अमर उजाला

आईआईएम सिरमौर के दीक्षांत समारोह में उपस्थित डिग्री लेने वाले विद्यार्थी।

http://himachalabhiabhi.com/jai-ram-%E0%A4%A8%E0%A5%87-%E0%A4%A8%E0%A4%B5%E0%A4%BE%E0%A4%9C%E0%A5%87-iim-%E0%A4%95%E0%A5%87-%E0%A4%B9%E0%A5%8B%E0%A4%A8%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%B0.html